



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 335]
No. 335]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 23, 2003/श्रावण 1, 1925
NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 23, 2003/SRAVANA 1, 1925

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 2003

सं० 59/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन० टी०)

सांख्यिकी 577(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 23ग की उपधारा (1) और (3), धारा 23घ की उपधारा (7) के साथ पठित धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अग्रिम विनिर्णय) नियम, 2002 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अग्रिम विनिर्णय) संशोधन नियम, 2003 है।
- (2) ये राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अग्रिम विनिर्णय) नियम, 2002 में, उससे संलग्न अग्रिम विनिर्णय (केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) के लिए आवेदन-प्ररूप के स्थान पर निम्नलिखित प्ररूप रखा जाएगा, अर्थात् :—

“अग्रिम विनिर्णय (केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) के लिए आवेदन-प्ररूप

[अग्रिम विनिर्णय (केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) के लिए आवेदन]

[केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अग्रिम विनिर्णय) नियम, 2002 का नियम 3 देखें]

अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण

(सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर)

नई दिल्ली के समक्ष

(केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 23ग के अधीन अग्रिम विनिर्णय प्राप्त करने के लिए आवेदन का प्ररूप)

..... का आवेदन सं०

1. आवेदक का पूरा नाम और टेलीफोन नं०, फैक्स नं० और ई-मेल पता :
के साथ पता

2. यथास्थिति, संयुक्त उद्यम स्थापित करने वाले निवासी(यों)/अनिवासी(यों) :
के या भारत में किसी कारबारी क्रियाकलाप करने की प्रस्थापना करने वाली किसी विदेशी नियंत्री कम्पनी की संपूर्णतः स्वामित्व वाली भारतीय समनुषंगी के नाम, पते, टेलीफोन नं०, फैक्स नं० और ई-मेल पता
3. आवेदक की प्रास्थिति :
4. आवेदक द्वारा किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबारी क्रियाकलाप की प्रकृति और प्रास्थिति :
5. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 2002 के नियम 9 के अधीन क्र०सं० 1 पर यथा उल्लिखित आवेदक की रजिस्ट्रीकरण सं० (यदि कोई हो) :
6. आवेदक का स्थायी लेखा सं० (यदि कोई हो) :
7. दावे का यह आधार कि क्रम सं. 1 पर निर्दिष्ट व्यक्ति, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 23क के खंड (ग) के अधीन यथापरिभाषित आवेदक है :
8. किए जाने के लिए प्रस्तावित क्रियाकलाप से संबंधित विधि और/या तथ्य का/के प्रश्न, जिनके संबंध में अग्रिम विनिर्णय अपेक्षित है :
9. किन्हीं सुसंगत तथ्यों का विवरण, जो पूर्वोक्त प्रश्न(नों) से संबंधित है :
10. पूर्वोक्त प्रश्न(नों) के संबंध में आवेदक का, यथास्थिति, विधि और/या तथ्यों का निर्वचन अंतर्विष्ट करने वाला विवरण :
11. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त जिसकी उपर्युक्त क्रम सं० 8 पर निर्दिष्ट प्रश्न के संबंध में अधिकारिता है (यदि कोई हो) :
12. संलग्न दस्तावेजों/विवरणों की सूची :
13. आवेदन के साथ संलग्न, पाने वाले के खाते में देय मांग देय ड्राफ्ट की विशिष्टियां :

(आवेदक के हस्ताक्षर)

सत्यापन

मैं (स्पष्ट अक्षरों में पूरा नाम), का पुत्र/की पुत्री/पत्नी सत्यनिष्ठा से घोषणा करता/करती हूँ कि जो कुछ ऊपर और उपाबंध(1) में, जिनके अंतर्गत दस्तावेज भी हैं, कहा गया है, मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही है। मैं यह आवेदन (पदनाम) की हैसियत में कर रहा/रही हूँ और यह कि मैं यह आवेदन करने और उसको सत्यापित करने के लिए सक्षम हूँ।

2. मैं यह भी घोषणा करता/करती हूँ कि वह/वे प्रश्न जिस/जिन पर अग्रिम विनिर्णय चाहा गया है, किसी भी मामले में किसी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकरण, अपील अधिकरण या किसी न्यायालय के समक्ष लंबित नहीं है/हैं।

3. तारीख 200 को स्थान पर सत्यापित।

(आवेदन के हस्ताक्षर)

उपाबंध 1

उन सुसंगत तथ्यों का कथन जो उस प्रश्न/उन प्रश्नों से संबंधित है/हैं, जिन पर अग्रिम विनिर्णय अपेक्षित है

स्थान

तारीख

(आवेदक के हस्ताक्षर)

उपाबंध 2

ऐसे प्रश्न(नों) के संबंध में, जिस/जिन पर अग्रिम विनिर्णय अपेक्षित है, आवेदक या यथास्थिति, विधि और/या तथ्यों का निर्वचन अंतर्विष्ट करने वाला कथन

स्थान

तारीख

टिप्पण—

(आवेदन के हस्ताक्षर)

1. आवेदन चार प्रतियों में अंग्रेजी या हिन्दी में भरा जाना चाहिए।
2. आवेदन के साथ अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण के पक्ष में लिखा गया, नई दिल्ली में संदेय, दो हजार पांच सौ रुपये का पाने वाले के खाते में देय मांग देय ड्राफ्ट होना चाहिए। ड्राफ्ट की विशिष्टियां मद सं. 13 से संबंधित स्तंभ में प्रविष्ट की जानी चाहिए।
3. आवेदन की सं. और प्राप्ति का वर्ष अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण के कार्यालय में भरा जाएगा।
4. यदि आवेदन में किसी मद का उत्तर देने के लिए स्थान अपर्याप्त पाया जाता है तो, इस प्रयोजन के लिए पृथक् सीट का उपयोग किया जा सकता है। प्रत्येक सीट के नीचे आवेदक द्वारा हस्ताक्षर किए जाने चाहिए।
5. मद सं. 3 के उत्तर में आवेदक को उसकी प्रास्थिति, अर्थात् क्या आवेदक व्यक्ति, हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब, फर्म, कंपनी, व्यक्तियों का संगम या कोई अन्य व्यक्ति है, का उल्लेख करना चाहिए।
6. मद सं. 4 के उत्तर में आवेदक को किए जाने वाले प्रस्तावित कारबारी क्रियाकलाप की प्रास्थिति का भी उल्लेख करना चाहिए, अर्थात् वह प्रक्रम जहां तक प्रगति हो चुकी है।
7. मद सं. 7 के लिए आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के उपबंधों के अनुसार भारत में 'निवास', 'अनिवासी', 'भारतीय कंपनी' और 'विदेशी कंपनी' के संबंध में उपबंधों के संदर्भ में उत्तर दिया जाना चाहिए।
8. मद सं. 8 के संबंध में, प्रश्न, किए जाने वाले प्रस्तावित क्रियाकलाप पर आधारित होने चाहिए, काल्पनिक प्रश्नों पर विचार नहीं किया जाएगा।
9. मद सं. 9 के संबंध में आवेदक को सुसंगत तथ्यों का ब्यौरेवार कथना करना चाहिए और अपने क्रियाकलाप की प्रकृति और प्रस्तावित क्रियाकलाप (क्रियाकलापों) की संभाव्य तारीख और प्रयोजन भी प्रकट करना चाहिए। आवेदन के साथ प्रस्तुत दस्तावेज में संप्रदर्शित सुसंगत तथ्य (तथ्यों) को तथ्यों के कथन में सम्मिलित करना चाहिए, न कि केवल निर्देश द्वारा समावेश किया जाना चाहिए।
10. मद सं. 10 के लिए आवेदक को उस/उन प्रश्न(नों) के संबंध में जिस/जिन पर अग्रिम विनिर्णय चाहा गया है विधि या तथ्यों का अपना निर्वचन स्पष्ट रूप से कथित करना चाहिए।
11. आवेदन, उससे संलग्न सत्यापन, आवेदन के उपाबंधों और उपाबंध 1 और उपाबंध 2 के साथ वाले कथनों और दस्तावेजों के प्रत्येक पृष्ठ पर हस्ताक्षर किए जाने चाहिए।

[फा० सं० 275/55/2003-सीएक्स.-8ए]

के० एस० शर्मा, अवर सचिव

टिप्पण : मूल नियम भारत के राजपत्र (असाधारण) सा० का०नि० सं० 594 (अ), तारीख 23 अगस्त, 2002 में अधिसूचना सं० 28/2002-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन०टी०), तारीख 23 अगस्त, 2002 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF REVENUE
NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd July, 2003

No. 59/2003-Central Excise (NT)

G.S.R. 577(E).—In exercise of the powers conferred by Section 37 read with Sub-Section (1) and (3) of section 23C, Sub-section (7) of Section 23D of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Central Excise (advance Rulings) Rules, 2002, namely:—

1. (i) These rules may be called the Central Excise (Advance Rulings) Amendment Rules, 2003.
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Excise (Advance Rulings) Rules, 2002 for FORM-AAR(CE) appended thereto, the following form shall be substituted, namely:—

“FORM -AAR (CE)

[Application for Advance Ruling (Central Excise)]

[See Rule 3 of the Central Excise (Advance Rulings) Rules, 2002]

**BEFORE THE AUTHORITY FOR ADVANCE RULINGS
(CUSTOMS, CENTRAL EXCISE AND SERVICE TAX)
NEW DELHI**

(Form of application for seeking Advance Ruling under Section 23C
of the Central Excise Act, 1944)

Application No. of.....

1. Full name and address along with telephone Number, :
Fax number and e-mail address of the applicant
2. Name, addresses, telephone number, fax number and :
e-mail address of the resident(s)/non-resident(s)
setting up the joint venture or of the wholly owned
Indian subsidiary of a foreign holding company,
proposing to undertake any business activity in India,
as the case may be
3. Status of the applicant :
4. Nature and status of the business activity proposed :
to be undertaken by the applicant
5. Registration number of the applicant as mentioned at :
serial number 1 under Rule 9 of the Central Excise
Rules, 2002 (if any)
6. Permanent Account Number(s) of the applicant (if any) :
7. Basis of claim that the person referred to at serial :
number 1, is an applicant as defined under Clause (c) of
Section 23A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944)
8. Question(s) of law and/or fact relating to an activity :
proposed to be undertaken on which the advance
ruling is required
9. Statement of any relevant facts having a bearing on :
the aforesaid question(s)
10. Statement containing the applicant's interpretation of :
law and/or facts, as the case may be, in respect of the
aforesaid question(s)
11. Commissioner of Central Excise having jurisdiction in :
respect of the question referred at serial number eight
above (if any)
12. List of documents/statements attached :
13. Particulars of account payee demand draft accompany- :
ing the application

VERIFICATION

I, _____ (name in full and in block letters), son/daughter/wife of _____ do hereby solemnly declare that to the best of my knowledge and belief what is stated above and in the annexure(s), including the documents are correct. I am making this application in my capacity as _____ (designation) and that I am competent to make this application and verify it.

2. I also declare that the question (s) on which the advance ruling is sought is/are not pending in any case before any Central Excise Authority, Appellate Tribunal or any Court.

3. Verified this.....day of.....200 at.....

(Applicant's Signature)

ANNEXURE I

Statement of the relevant facts having a bearing on the question(s) on which the advance ruling is required

Place _____

Date _____

(Applicant's Signature)

ANNEXURE II

Statement containing the applicant's interpretation of law and/or facts, as the case may be, in respect of the question(s) on which advance ruling is required

Place: _____

Date: _____

(Applicant's Signature)

Notes:

1. The application must be filled in English or Hindi in quadruplicate.
2. The application must be accompanied by an account payee demand draft of Rupees two thousand five hundred drawn in favour of Authority for Advance Rulings, payable at New Delhi. Particulars of the draft should be entered in the column pertaining to item number 13.
3. The number and year of receipt of the application will be filled in the Office of the Authority for Advance Rulings.
4. If the space provided for answering any item in the application is found insufficient, separate sheets may be used for this purpose. Each sheet must be signed at the bottom by the applicant.
5. In reply to item number 3, the applicant must state its status i.e., whether an individual, Hindu undivided family, firm, company, firm association of persons or any other person.
6. In reply to item number 4, the applicant must state the status of the business activity proposed to be undertaken i.e., the stage to which it has progressed.
7. For item number 7, the reply must be given in the context of the provisions regarding 'residence' in India, 'non resident', 'Indian Company', and 'Foreign Company' as per the Income Tax Act, 1961(43 of 1961).
8. Regarding item number 8, the question(s) should be based on the activity proposed to be undertaken, hypothetical questions will not be entertained.
9. In respect of item number 9, the Applicant must state in detail the relevant facts and also disclose the nature of his activity and the likely date and purpose of the proposed activity(s). Relevant facts reflected in document submitted along with the application must be included in the statement of facts and not merely incorporated by reference.
10. For item number 10, the applicant must clearly state his interpretation of law or facts in respect of the question(s) on which the advance ruling is being sought.
11. The application, the verification appended thereto, the annexures to the application and the statements and documents accompanying the Annexures 1 and 2 must be signed on each page."

[F.No: 275/55/2003-CX-8A]

K. S. SHARMA, Under secy.

Note: The principal rules were published in the Gazette of India (Extraordinary), GSR. No. 594(E) dated 23rd August, 2002 vide notification No. 28/2002—Central Excise (NT) dated 23rd August, 2002.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 2003

सं० 54/2003-सीमा शुल्क (एन० टी०)

सा० का० नि० 578(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 28ज की उपधारा (1) और (3), धारा 28झ की उपधारा (7) के साथ पठित धारा 156 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सीमा शुल्क (अग्रिम विनिर्णय) नियम, 2002 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सीमाशुल्क (अग्रिम विनिर्णय) संशोधन नियम, 2003 है।

(2) ये राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सीमा शुल्क (अग्रिम विनिर्णय), नियम, 2002 में, उससे संलग्न अग्रिम विनिर्णय (सीमाशुल्क) के लिए आवेदन-प्ररूप के स्थान पर निम्नलिखित प्ररूप रखा जाएगा, अर्थात् :—

[अग्रिम विनिर्णय (सीमाशुल्क) के लिए आवेदन]

[सीमाशुल्क (अग्रिम विनिर्णय) नियम, 2002 का नियम 3 देखें]

अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण

(सीमाशुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर)

नई दिल्ली के समक्ष

(सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 28ज के अधीन अग्रिम विनिर्णय प्राप्त करने के लिए आवेदन का प्ररूप)

..... का आवेदन सं.

1. आवेदक का पूरा नाम और टेलीफोन सं., फैक्स सं. और ई-मेल पता :
के साथ पता
2. यथास्थिति संयुक्त उद्यम स्थापित करने वाले निवासी(यों)/अनिवासी(यों) :
के या भारत में किसी कारबारी क्रियाकलाप करने की प्रस्थापना करने वाली किसी विदेशी नियंत्रित कम्पनी की संपूर्णतः स्वामित्व वाली भारतीय समनुबन्गी के नाम, पते, टेलीफोन सं., फैक्स सं. और ई-मेल पता
3. आवेदक की प्रास्थिति :
4. आवेदक द्वारा किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबारी क्रियाकलाप की प्रकृति और प्रास्थिति :
5. आवेदक का आयात-निर्यात कोड सं. (यदि कोई हो) :
6. आवेदक का स्थायी लेखा सं. (यदि कोई हो) :
7. दावे का यह आधार कि क्रम सं. 1 पर निर्दिष्ट व्यक्ति, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 28ड के खंड (ग) के अधीन यथा परिभाषित आवेदक है। :
8. किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबारी क्रियाकलाप से संबंधित विधि और/या तथ्य का/के प्रश्न, जिनके संबंध में अग्रिम विनिर्णय अपेक्षित है। :
9. किन्हीं सुसंगत तथ्यों का विवरण, जो पूर्वोक्त प्रश्न(नों) से संबंधित है। :

10. पूर्वोक्त प्रश्न(नों) के संबंध में आवेदक का, यथास्थिति, विधि और/या तथ्यों का निर्वचन अंतर्विष्ट करने वाला विवरण :
11. सीमा शुल्क आयुक्त जिसकी उपर्युक्त क्रम सं० 8 पर निर्दिष्ट प्रश्न के संबंध में अधिकारिता है (यदि कोई हो) :
12. संलग्न दस्तावेजों/विवरणों की सूची :
13. आवेदन के साथ संलग्न, पाने वाले के खाते में देय मांग देय ड्राफ्ट की विशिष्टियां :

(आवेदक के हस्ताक्षर)

सत्यापन

मैं (स्पष्ट अक्षरों में पूरा नाम), का पुत्र/की पुत्री/पत्नी सत्यनिष्ठा से घोषणा करता/करती हूँ कि जो कुछ ऊपर और उपाबंध(धों) में, जिनके अंतर्गत दस्तावेज भी हैं, कहा गया है, मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही है। मैं यह आवेदन (पदनाम) की हैसियत में कर रहा/रही हूँ और यह कि मैं यह आवेदन करने और उसको सत्यापित करने के लिए सक्षम हूँ।

2. मैं यह भी घोषणा करता/करती हूँ कि वह/वे प्रश्न जिस/जिन पर अग्रिम विनिर्णय चाहा गया है, किसी भी मामले में किसी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकरण, अपील अधिकरण या किसी न्यायालय के समक्ष लंबित नहीं है/हैं।

3. तारीख 200 को स्थान पर सत्यापित।

(आवेदक के हस्ताक्षर)

उपाबंध 1

उन सुसंगत तथ्यों का कथन जो उस प्रश्न/उन प्रश्नों से संबंधित है/हैं, जिन पर अग्रिम विनिर्णय अपेक्षित है

स्थान

तारीख

(आवेदक के हस्ताक्षर)

उपाबंध 2

ऐसे प्रश्न (नों) के संबंध में, जिस/जिन पर अग्रिम विनिर्णय अपेक्षित है, आवेदक या यथास्थिति, विधि और/या तथ्यों का निर्वचन अंतर्विष्ट करने वाला कथन

स्थान

तारीख

(आवेदक के हस्ताक्षर)

टिप्पण—

1. आवेदन चार प्रतियों में अंग्रेजी या हिन्दी में भरा जाना चाहिए।
2. आवेदन के साथ अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण के पक्ष में लिखा गया, नई दिल्ली में संदेय, दो हजार पांच सौ रुपये का पाने वाले के खाते में देय मांग देय ड्राफ्ट होना चाहिए। ड्राफ्ट की विशिष्टियां मद सं० 13 से संबंधित स्तंभ में प्रविष्टि की जानी चाहिए।
3. आवेदन की सं० और प्राप्ति का वर्ष अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण के कार्यालय में भरा जाएगा।

4. यदि आवेदन में किसी मद का उत्तर देने के लिए स्थान अपर्याप्त पाया जाता है तो, इस प्रयोजन के लिए पृथक् सीट का उपयोग किया जा सकता है। प्रत्येक सीट के नीचे आवेदक द्वारा हस्ताक्षर किए जाने चाहिए।
5. मद सं० 3 के उत्तर में आवेदक को उसकी प्रास्थिति, अर्थात् क्या आवेदक व्यक्ति, हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब, फर्म, कंपनी, व्यक्तियों का संगम या कोई अन्य व्यक्ति है, का उल्लेख करना चाहिए।
6. मद सं० 4 उत्तर में आवेदक को किए जाने वाले प्रस्तावित कारबारी क्रियाकलाप की प्रास्थिति का भी उल्लेख करना चाहिए, अर्थात् वह प्रक्रम जहां तक प्रगति हो चुकी है।
7. मद सं० 7 के लिए आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के उपबंधों के अनुसार भारत में 'निवास', 'अनिवासी', 'भारतीय कंपनी' और 'विदेशी कंपनी' के संबंध में उपबंधों के संदर्भ में उत्तर दिया जाना चाहिए।
8. मद सं० 8 के संबंध में, प्रश्न, किए जाने वाले प्रस्तावित क्रियाकलाप पर आधारित होने चाहिए, काल्पनिक प्रश्नों पर विचार नहीं किया जाएगा।
9. मद सं० 9 के संबंध में आवेदक को सुसंगत तथ्यों का ब्यौरेवार कथन करना चाहिए और अपने क्रियाकलाप की प्रकृति और प्रस्तावित क्रियाकलाप (क्रियाकलापों) की संभाव्य तारीख और प्रयोजन भी प्रकट करना चाहिए। आवेदन के साथ प्रस्तुत दस्तावेज में संप्रदर्शित सुसंगत तथ्य (तथ्यों) को तथ्यों के कथन में सम्मिलित करना चाहिए, न कि केवल निर्देश द्वारा समावेश किया जाना चाहिए।
10. मद सं० 10 के लिए आवेदक को उस/उन प्रश्न(नों) के संबंध में जिस/जिन पर अग्रिम विनिर्णय चाहा गया है विधि या तथ्यों का अपना निर्वचन स्पष्ट रूप से कथित करना चाहिए।
11. आवेदन, उससे संलग्न सत्यापन, आवेदन के उपाबंधों और 1 और उपाबंध 2 के साथ वाले कथनों और दस्तावेजों के प्रत्येक पृष्ठ पर हस्ताक्षर किए जाने चाहिए।"

[फ़ॉ० सं० 275/55/2003-सीएक्स.-8ए]

के. एस. शर्मा, अवर सचिव

टिप्पण : मूल नियम भारत के राजपत्र (असाधारण) सा० का० नि० सं० 593 (अ), तारीख 23 अगस्त, 2002 में अधिसूचना सं० 55/2002-सीमा शुल्क(एन०टी०), तारीख 23 अगस्त, 2002 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd July, 2003

No. 54/2003-Customs (NT)

G.S.R. 578(E).—In exercise of the powers conferred by Section 156 read with Sub-section (1) and (3) of Section 28H, Sub-section (7) of section 28-I of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Customs (Advance Rulings) Rules, 2002 namely:—

1. (i) These rules may be called the Customs (Advance Rulings) Amendment Rules, 2003.
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Customs (Advance Rulings) Rules, 2002 for FORM-AAR(CUS) annexed thereto, the following form shall be substituted, namely:—

"FORM -AAR (CUS)

[Application for Advance Ruling (Customs)]

[See rule 3 of the Customs (Advance Rulings) Rules, 2002]

**BEFORE THE AUTHORITY FOR ADVANCE RULINGS
(CUSTOMS, CENTRAL EXCISE AND SERVICE TAX)
NEW DELHI**

(Form of application for seeking Advance Ruling under Section 28H
of the Customs Act, 1962)

Application No. of.....

1. Full name and address along with telephone Number, :
Fax number and e-mail address of the applicant

2. Names, addresses, telephone numbers, fax numbers and e-mail address of the resident(s)/non-resident(s) setting up the joint venture or of the wholly owned Indian subsidiary of a foreign holding company, proposing to undertake any business activity in India, as the case may be
3. Status of the applicant
4. Nature and status of the business activity proposed to be undertaken by the applicant
5. Import-Export Code No. of the applicant (if any)
6. Permanent Account Number of the applicant (if any)
7. Basis of claim that the person referred to at serial number 1, is an applicant as defined under clause (c) of Section 28E of the Customs Act, 1962 (52 of 1962)
8. Question(s) of law and/or fact relating to a business activity proposed to be undertaken on which the advance ruling is required
9. Statement of any relevant fact(s) having a bearing on the aforesaid question(s)
10. Statement containing the applicant's interpretation of law and/or facts, as the case may be, in respect of the aforesaid question(s)
11. Commissioner of Customs having jurisdiction in respect of the question referred at serial number eight above (if any)
12. List of documents/statements attached
13. Particulars of account payee demand draft accompanying the application

(Applicant's Signature)

VERIFICATION

I, _____ (name in full and in block letters), son/daughter/wife of _____ do hereby solemnly declare that to the best of my knowledge and belief what is stated above and in the annexure(s), including the documents are correct. I am making this application in my capacity as _____ (designation) and that I am competent to make this application and verify it.

2. I also declare that the question(s) on which the advance ruling is sought is/are not pending in any case before any Customs Authority, Appellate Tribunal or any Court.

3. Verified this.....day of200.....at.....

(Applicant's signature)

२०५०६१/०.३—२

ANNEXURE I

**Statement of the relevant facts having a bearing on the question(s) on which
the advance ruling is required**

Place

Date

(Applicant's signature)

ANNEXURE II

**Statement containing the applicant's interpretation of law and/or facts, as the case may be in respect of the question(s)
on which advance ruling is required**

Place

Date

(Applicant's signature)

Notes :

1. The application must be filled in English or Hindi in quadruplicate.
2. The application must be accompanied by an account payee demand draft of Rupees two thousand five hundred drawn in favour of Authority for Advance Rulings, payable at New Delhi. Particulars of the draft should be entered in the column pertaining to item number 13.
3. The number and year of receipt of the application will be filled in the Office of the Authority for Advance Rulings.
4. If the space provided for answering any item in the application is found insufficient, separate sheets may be used for this purpose. Each sheet must be signed at the bottom by the applicant.
5. In reply to item number 3, the applicant must state its status, i.e. whether an individual, Hindu undivided family, firm, company, association of persons or any other person.
6. In reply to item number 4, the applicant must state the status of the business activity proposed to be undertaken i.e. the stage to which it has progressed.
7. For item number 7, the reply must be given in the context of the provisions regarding 'residence' in India, 'non resident', 'Indian Company' and 'Foreign Company' as per the Income Tax Act, 1961(43 of 1961).
8. Regarding item number 8, the question(s) should be based on the activity proposed to be undertaken, hypothetical questions will not be entertained.
9. In respect of item number 9, the Applicant must state in detail the relevant facts and also disclose the nature of his activity and the likely date and purpose of the proposed activity(s). Relevant facts reflected in document submitted along with the application must be included in the statement of facts and not merely incorporated by reference.
10. For item number 10, the applicant must clearly state his interpretation of law or facts in respect of the question(s) on which the advance ruling is being sought.
11. The application, the verification appended thereto, the annexures to the application and the statements and documents accompanying the Annexures 1 and 2 must be signed on each page."

[F. No. 275/55/2003- CX-8A]

K. S. SHARMA, Under Secy.

Note:—The principal rules were published in the Gazette of India (Extraordinary), GSR. No: 593(E) dated 23rd August, 2002 vide notification No. 55/2002-Customs (NT) dated 23rd August, 2002.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 2003

सं० 17/2003-सेवा कर (एन० टी०)

सा० का० नि० 579(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 96ग की उपधारा (1) और (3), धारा 96घ की उपधारा (7) के साथ पठित धारा 96झ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारंभ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सेवा कर (अग्रिम विनिर्णय) नियम, 2003 है।

(2) इनका विस्तार जम्मू-कश्मीर राज्य को छोड़कर संपूर्ण भारत पर है।

(3) ये राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं.—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हों,—

(क) "अधिनियम" से वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) अभिप्रेत है;

(ख) "प्राधिकरण" से सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 28घ के अधीन गठित अग्रिम विनिर्णयों के लिए प्राधिकरण अभिप्रेत है;

(ग) "अग्रिम विनिर्णय (सेवा कर) के लिए आवेदन—प्ररूप" से इन नियमों से उपाबद्ध प्ररूप अभिप्रेत है;

(घ) उन शब्दों और पदों के, जो इसमें प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उनके क्रमशः उस अधिनियम में हैं।

3. आवेदन का प्ररूप और रीति.—(1) अधिनियम की धारा 96ग की उपधारा (1) के अधीन कोई अग्रिम विनिर्णय अभिप्राप्त करने के लिए कोई आवेदन, अग्रिम विनिर्णय (सेवा कर) के लिए आवेदन-प्ररूप में किया जाएगा।

(2) उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट आवेदन, उसमें अंतर्विष्ट सत्यापन और ऐसे आवेदन के साथ संलग्न सभी सुसंगत दस्तावेजों को निम्नानुसार हस्ताक्षरित किया जाएगा,—

(क) किसी व्यक्ति की दशा में, स्वयं व्यक्ति द्वारा या जहां व्यक्ति भारत में उपस्थित नहीं हैं, वहां संबद्ध व्यक्ति द्वारा या इस निमित्त उसके द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा; और जहां व्यक्ति अवयस्क है या अपने कृत्यों को करने में मानसिक रूप से अशक्त है, वहां उसके संरक्षक द्वारा या उसकी ओर से कृत्य करने के लिए सक्षम किसी अन्य व्यक्ति द्वारा;

(ख) किसी हिन्दू अभिवक्त कुटुम्ब की दशा में, उस कुटुम्ब के कर्ता द्वारा और जहां कर्ता भारत में उपस्थित नहीं है या वह अपने कृत्यों को करने में मानसिक रूप से अशक्त है वहां उस कुटुम्ब के किसी अन्य वयस्क सदस्य द्वारा;

(ग) किसी कंपनी या स्थानीय प्राधिकरण की दशा में, उसके प्रधान अधिकारी द्वारा जिसे यथास्थिति, कंपनी या स्थानीय प्राधिकरण द्वारा ऐसे प्रयोजन के लिए प्राधिकृत किया गया है;

(घ) किसी फर्म की दशा में, उसके किसी भागीदार द्वारा, जो अवयस्क नहीं है;

(ङ) किसी संगम की दशा में, संगम के किसी सदस्य या उसके प्रधान अधिकारी द्वारा; और

(च) किसी अन्य व्यक्ति की दशा में, उस व्यक्ति द्वारा या उसकी ओर से कृत्य करने के लिए किसी सक्षम व्यक्ति द्वारा।

(3) प्रत्येक आवेदन चार प्रतियों में फाइल किया जाएगा और उसके साथ दो हजार पांच सौ रुपये की फीस होगी।

(4) प्राधिकरण द्वारा सुनाए गए अग्रिम विनिर्णयों की प्रतियों का प्रमाणीकरण—अधिनियम की धारा 96घ की उपधारा (7) के अधीन प्राधिकरण द्वारा सुनाए गए और सदस्यों द्वारा सम्यक् रूप से हस्ताक्षरित अग्रिम विनिर्णय की एक प्रति, जिसे प्रत्येक आवेदक और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त को भेजा जाना है, यथास्थिति, आयुक्त, अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण या आयुक्त, अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा उसकी मूल प्रति की वास्वविक प्रति के रूप में प्रमाणित की जाएगी।

“अग्रिम विनिर्णय (सेवा कर) के लिए आवेदन—प्ररूप”

[अग्रिम विनिर्णय (सेवा कर) के लिए आवेदन]

[सेवा कर (अग्रिम विनिर्णय) नियम, 2003 का नियम 3 देखें]

अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण

(सीमा शुल्क केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर)

नई दिल्ली के समक्ष

(वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 96 ग के अधीन अग्रिम विनिर्णय प्राप्त करने के लिए आवेदन का प्ररूप)

..... का आवेदन सं०

1. आवेदक का पूरा नाम और टेलीफोन सं०, फैक्स सं० और ई-मेल :
पता के साथ पता
2. संयुक्त उद्यम स्थापित करने वाले निवासी (यों)/अनिवासी(यों) के :
या किसी कारबारी क्रियाकलाप करने की प्रस्थापना करने वाली
किसी विदेशी नियंत्रित कम्पनी की संपूर्णतः स्वामित्व वाली भारतीय
समनुपगंी के नाम, पते, टेलीफोन नं०, फैक्स नं० और ई-मेल पता
3. आवेदक की प्रास्थिति :
4. आवेदक की सेवा कर रजिस्ट्रीकरण सं० (यदि कोई हो) :
5. आवेदक का स्थायी लेखा सं० (यदि कोई हो) :
6. आवेदक द्वारा किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबारी क्रियाकलाप :
की प्रकृति प्रास्थिति
7. दावे का यह आधार कि क्रम सं० 1 पर निर्दिष्ट व्यक्ति, वित्त :
अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 96 क के खंड (ख)
के अधीन यथा परिभाषित आवेदक है
8. किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबारी क्रियाकलाप से संबंधित विधि :
और/या तथ्य का/के प्रश्न, जिनके संबंध में अग्रिम विनिर्णय अपेक्षित
है
9. किन्हीं सुसंगत तथ्यों का विवरण, जो पूर्वोक्त प्रश्न (नों) से संबंधित :
है
10. पूर्वोक्त प्रश्न (नों) के संबंध में आवेदक का, यथास्थिति, विधि :
और/या तथ्यों का निर्वचन अंतर्विष्ट करने वाला विवरण
11. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त जिसकी उपर्युक्त क्रम सं० 8 पर :
निर्दिष्ट प्रश्न के संबंध में अधिकारिता है (यदि कोई हो)
12. संलग्न दस्तावेजों/विवरणों की सूची :
13. आवेदन के साथ संलग्न, पाने वाले के खाते में देय मांग देय ड्राफ्ट :
की विशिष्टियां

सत्यापन

मैं, (स्पष्ट अक्षरों में पूरा नाम),
 का पुत्र/की पुत्री/पत्नी सत्यनिष्ठा से घोषणा करता/करती हूँ कि जो कुछ ऊपर और उपाबंध (धों)
 में, जिनके अंतर्गत दस्तावेज भी हैं, कहा गया है, मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही है। मैं यह आवेदन.....
 (पदनाम) की हैसियत में कर रहा/कर रही हूँ और यह कि मैं यह आवेदन करने और उसको सत्यापित
 करने के लिए सक्षम हूँ।

2. मैं यह भी घोषणा करता/करती हूँ कि वह/वे प्रश्न जिस/जिन पर अग्रिम विनिर्णय चाहा गया है, किसी भी मामले में किसी केन्द्रीय
 उत्पाद शुल्क प्राधिकरण, अपील अधिकरण या किसी न्यायालय के समक्ष लंबित नहीं है/हैं।

3. तारीख 200 को स्थान पर सत्यापित।

(आवेदक के हस्ताक्षर)

उपाबंध 1

उन सुसंगत तथ्यों का कथन जो उस प्रश्न/उन प्रश्नों से संबंधित है/हैं, जिन पर अग्रिम विनिर्णय अपेक्षित है

स्थान.....

तारीख.....

(आवेदक के हस्ताक्षर)

उपाबंध 2

ऐसे प्रश्न(नों) के संबंध में, जिस/जिन पर अग्रिम विनिर्णय अपेक्षित है, आवेदक का यथास्थिति, विधि और/या तथ्यों का निर्वचन
 अंतर्विष्ट करने वाला कथन

स्थान.....

तारीख.....

(आवेदक के हस्ताक्षर)

टिप्पण—

1. आवेदन चार प्रतियों में अंग्रेजी या हिन्दी में भरा जाना चाहिए।
2. आवेदन के साथ अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण के पक्ष में लिखा गया, नई दिल्ली में संदेय, दो हजार पांच सौ रुपये का पाने वाले के खाते में देय मांग देय ड्राफ्ट होना चाहिए। ड्राफ्ट की विशिष्टियां मद सं. 13 से संबंधित स्तंभ में प्रविष्ट की जानी चाहिए।
3. आवेदन की सं. और प्राप्ति का वर्ष अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण के कार्यालय में भरा जाएगा।
4. यदि आवेदन में किसी मद का उत्तर देने के लिए स्थान अपर्याप्त पाया जाता है तो, इस प्रयोजन के लिए पृथक् सीट का उपयोग किया जा सकता है। प्रत्येक सीट के नीचे आवेदक द्वारा हस्ताक्षर किए जाने चाहिए।
5. मद सं. 3 के उत्तर में आवेदक को उसकी प्रास्थिति, अर्थात् क्या आवेदक व्यक्ति, हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब, फर्म, कंपनी, व्यक्तियों का संगम या कोई अन्य व्यक्ति है, का उल्लेख करना चाहिए।
6. मद सं. 6 के उत्तर में आवेदक को किए जाने वाले प्रस्तावित कारभारी क्रियाकलाप की प्रास्थिति का भी उल्लेख करना चाहिए, अर्थात् वह प्रक्रम जहां तक प्रगति हो चुकी है।

7. मद सं. 7 के लिए आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के उपबंधों के अनुसार भारत में 'निवास', 'अनिवासी', 'भारतीय कंपनी' और 'विदेशी कंपनी' के संबंध में उपबंधों के संदर्भ में उत्तर दिया जाना चाहिए।
8. मद सं. 8 के संबंध में, प्रश्न, किए जाने वाले प्रस्तावित क्रियाकलाप पर आधारित होने चाहिए, काल्पनिक प्रश्नों पर विचार नहीं किया जाएगा।
9. मद सं. 9 के संबंध में आवेदक को सुसंगत तथ्यों का ब्यौरेवार कथन करना चाहिए और अपने क्रियाकलाप की प्रकृति और प्रस्तावित क्रियाकलाप (क्रियाकलापों) की संभाव्य तारीख और प्रयोजन भी प्रकट करना चाहिए। आवेदन के साथ प्रस्तुत दस्तावेज में संप्रदर्शित सुसंगत तथ्य (तथ्यों) को तथ्यों के कथन में सम्मिलित करना चाहिए, न कि केवल निर्देश द्वारा समावेश किया जाना चाहिए।
10. मद सं. 10 के लिए आवेदक को उस/उन प्रश्न(नों) के संबंध में जिस/जिन पर अग्रिम विनिर्णय चाहा गया है विधि या तथ्यों का अपना निर्वचन स्पष्ट रूप से कथित करना चाहिए।
11. आवेदन, उससे संलग्न सत्यापन, आवेदन के उपाबंधों और उपाबंध 1 और उपाबंध 2 के साथ वाले कथनों और दस्तावेजों के प्रत्येक पृष्ठ पर हस्ताक्षर किए जाने चाहिए।

[फा. सं. 275/55/2003-सीएक्स.-8ए]

के. एस. शर्मा, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd July, 2003

No. 17/2003-Service Tax (NT)

C.S.R. 579.—In exercise of the powers conferred by Section 96-1 read with Sub-sections (1) and (3) of Section 96C, Sub-section (7) of Section 96D of the Finance Act, 1994 (32 of 1994) the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. **Short title, extent and commencement.**—(1) These rules may be called the Service Tax (Advance Rulings) Rules, 2003.
(2) They extend to the whole of India, except the State of Jammu and Kashmir.
(3) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. **Definitions.**—In these rules, unless the context otherwise requires,—
(a) "Act" means the Finance Act, 1994 (32 of 1994);
(b) "Authority" means the Authority for Advance Rulings constituted under Section 28F of the Customs Act, 1962 (52 of 1962);
(c) "Form—Application for Advance Ruling (Service Tax)" means the form annexed to these rules;
(d) Words and expressions used and not defined herein but defined in the Act shall have the meanings respectively, assigned, to them in the Act.
3. **Form and manner of application.**—(1) An application for obtaining an advance ruling under Sub-section (1) of Section 96C of the Act shall be made in Form—Application for Advance Ruling (Service Tax).
(2) The application referred to in Sub-rule (1), the verification contained therein and all relevant documents accompanying such application shall be signed, —
(a) in the case of an individual, by the individual himself, or where the individual is absent from India, by the individual concerned or by some person duly authorized by him in this behalf, and where the individual is a minor or is mentally incapacitated from attending to his affairs, by his guardian or by any other person competent to act on his behalf;
(b) in the case of a Hindu undivided family, by the Karta of that family and, where the Karta is absent from India or is mentally incapacitated from attending to his affairs, by any other adult member of that family;
(c) in the case of a company or local authority, by the principal officer thereof authorized by the company or the local authority, as the case may be, for such purpose;
(d) in the case of a firm, by any partner thereof, not being a minor;

- (e) in the case of an association, by any member of the association or the principal officer thereof; and
 - (f) in the case of any other person, by that person or some person competent to act on his behalf.
- (3) Every application shall be filed in quadruplicate and shall be accompanied by a fee of two thousand five hundred rupees.
4. **Certification of copies of the advance rulings pronounced by the Authority.-** A copy of the advance ruling pronounced by the Authority for Advance Rulings and duly signed by the Members to be sent to each of the applicant and to the Commissioner of Central Excise under Sub-section (7) of Section 96D of the Act, shall be certified to be true copy of its original by the Commissioner, Authority for Advance Rulings, or any other officer duly authorized by the Commissioner, Authority for Advance Rulings, as the case may be.

FORM-AAR (ST)**[Application for Advance Ruling (Service Tax)]****[See rule 3 of the Service Tax (Advance Rulings) Rules, 2003]**

**BEFORE THE AUTHORITY FOR ADVANCE RULINGS
(CUSTOMS, CENTRAL EXCISE AND SERVICE TAX)
NEW DELHI**

Form of application for seeking Advance Ruling under Section 96C
of the Finance Act, 1994)

Application No. of.....

1. Full name and address along with telephone Number, :
Fax number and e-mail address of the applicant
2. Name, addresses, telephone number, fax number and :
e-mail address of the resident(s)/non-resident(s)
setting up the joint venture or of the wholly owned
Indian subsidiary of a foreign holding company,
proposing to undertake any business activity
3. Status of the applicant :
4. Service Tax registration number of the applicant (if any) :
5. Permanent Account Number of the applicant (if any) :
6. Nature and status of the business activity proposed :
to be undertaken by the applicant
7. Basis of claim that the person referred to at serial :
number 1, is an applicant as defined under clause (b) of
section 96A of the Finance Act, 1994 (32 of 1994)
8. Question(s) of law and/or fact relating to a business :
activity proposed to be undertaken on which the
advance ruling is required
9. Statement of any relevant facts having a bearing on :
the aforesaid question(s)
10. Statement containing the applicant's interpretation of :
law and/or facts, as the case may be, in respect of the
aforesaid question(s)
11. Commissioner of Central Excise having jurisdiction in :
respect of the question referred at serial number eight
above (if any)
12. List of documents/statements attached :
13. Particulars of account payee demand draft accompany- :
ing the application

(Applicant's Signature)

VERIFICATION

I, _____ (name in full and in block letters), son/daughter/wife of _____ do hereby solemnly declare that to the best of my knowledge and belief what is stated above and in the annexure(s), including the documents are correct. I am making this application in my capacity as _____ (designation) and that I am competent to make this application and verify it.

2. I also declare that the question(s) on which the advance ruling is sought is/are not pending in any case before any Centre Excise Authority, Appellate Tribunal or any Court.

3. Verified this.....day of200at.....

(Applicant's signature)

ANNEXURE I

**Statement of the relevant facts having a bearing on the question(s) on which
the advance ruling is required**

Place

Date

(Applicant's signature)

ANNEXURE II

**Statement containing the applicant's interpretation of law and/or facts, as the case may be, in respect of the question(s)
on which advance ruling is required**

Place

Date

(Applicant's signature)

Notes :

1. The application must be filled in English or Hindi in quadruplicate.
2. The application must be accompanied by an account payee demand draft of Rupees two thousand five hundred drawn in favour of Authority for Advance Rulings, payable at New Delhi. Particulars of the draft should be entered in the column pertaining to item number 13.
3. The number and year of receipt of the application will be filled in the Office of the Authority for Advance Rulings.
4. If the space provided for answering any item in the application is found insufficient, separate sheets may be used for this purpose. Each sheet must be signed at the bottom by the applicant.
5. In reply to item number 3, the applicant must state its status, i.e. whether the applicant is an individual, Hindu undivided family, firm, company, association of persons or any other person.
6. In reply to item number 6, the applicant must also state the status of the business activity proposed to be undertaken i.e. the stage to which it has progressed.
7. For item number 7, the reply must be given in the context of the provisions regarding 'residence' in India, 'non resident', 'Indian Company', and 'Foreign Company' as per the provision of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961).
8. Regarding item number 8, the question(s) should be based on the activity proposed to be under taken, hypothetical questions will not be entertained.
9. In respect of item number 9, the Applicant must state in detail the relevant facts and also disclose the nature of his activity and the likely date and purpose of the proposed activity(s). Relevant facts reflected in document submitted along with the application must be included in the statement of facts and not merely incorporated by reference.
10. For item number 10, the applicant must clearly state his interpretation of law or facts in respect of the question(s) on which the advance ruling is being sought.
11. The application, the verification appended thereto, the annexures to the application and the statements and documents accompanying the Annexures 1 and 2 must be signed on each page."

[F.No. 275/55/2003- CX-8A]

K.S. SHARMA, Under Secy.